पर्यावरण संबंधी प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग

820. **डा० अबरार अहमद :** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन उद्योगो तथा औद्योगिक संयत्रो के नाम क्या-क्या है जो पर्यावरण सबंधी प्रदूषण फैलाते है तथा देश में ऐसे औद्योगिक सयत्र किन-किन स्थानो पर स्थित है तथा पर्यावरण को इन सयत्रो से होने वाले प्रदूषण से बचाने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाई की जा रही है तथा इस सबध मे राजस्थान के बारे मे ब्यौरा क्या है,

(ख) पर्यावरण सबंधी प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा किस नई तकनीक को अपनाया जा रहा है, और

(ग) पर्यावरणीय प्रदूषण से कौन-कौन सी बीमारियो के फैलने की आशका है तथा क्या इस संबध मे लोगो को शिक्षित करने के लिए कोई योजनाए हैं ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती मेनका गान्धी) : (क) और (ख) अधिक मात्रा मे प्रदूषण उत्पन्न करने की संभावना वाले उद्योगो की 15 श्रेणियों का अभिनिर्धारण किया गया है । ये हैं—उर्वरक, एल्यूमिनियम, तांबा, जस्ता, लोहा और इस्पात, ताप विद्युत, तेल शोधनशाला, चीनी, रंग और रंगाई माध्यम, लुगदी और कागज, किण्वन (मद्य निर्माणशालाए), चर्म-शोधनशालाए, कीटनाशक, पेट्रो-रसायन, औषध निर्माण । प्रत्येक यूनिट के ब्यौरे सरकार के पास उपलब्ध नही है । उपलब्ध सूचना के अनुसार राजस्थान मे प्रदूषण उत्पन्न करने वाले बडे उद्योग निम्नलिखित हैं :—

1. मैसर्स गंगानगर शुगर मिल्स लि. श्रीगगानगर ।

2. श्री केशो राय पातन सहकारी शुगर मिल्स लि., केशोरायपटनम, जिला बूदी ।

3 श्रीगगानगर शुगर मिल्स, डिस्टीलरी डिवीजन, श्रीगगानगर ।

4 मैसर्स उदयपुर डिस्टीलरी कम्पनी लि., उदयसागर रोड, उदयपुर ।

5 मैसर्स गगानगर शुगर मिल्स लि , एट्रो डिस्टीलरी, कोटा ।

6 मैसर्स ई.सी एस पेपर्स लि , भिवाड़ी ।

7 मैसर्स अग्रवाल पेपर मिल्स लि . अलवर ।

8 मैसर्स राजस्थान स्टेट टैनरीज, टोक ।

9 मैसर्स सुमन इटरनेशनल प्राइवेट लि , भिवाडी (अलवर) ।

10 मैसर्स एन डी टैनरीज (पी) लि , भिवाडी (अलवर) ।

11. मैसर्स शेखावती टैनरी एण्ड वूल रिफाइनरी फैक्टरी, सिकर ।

भारत सरकार ने उद्योग-विशेष बहिस्राव और उत्सर्जन मानक निर्धारित किए हैं । प्रदूषक उद्योगो को निर्धारित समय के भीतर निर्धारित मानको को पूरा करने के लिए समुचित प्रदूषण नियत्रण उपकरण लगाने है । प्रदूषक इकाइयो को राज्य प्रदूषण नियत्रण बोर्डो से उद्योग चलाने की सहमति लेनी पड़ती है । दोषी इकाइयो के विरुद्ध जल (प्रदूषण निवारण एव नियंत्रण) अधिनियम 1974 वायु (प्रदूषण निवारण एव नियंत्रण) अधिनियम 1981 और पर्यावरण (सुरक्षा) अधिनियम 1986 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है । प्रदूषण कम करने के लिए कदम उठाने वाली इकाइयो को वित्तीय सहायता दी जाती है । प्रदूषण निवारण उपशमन एव नियत्रण के उपायो की समीक्षा एक सतत प्रक्रिया है ।

(ग) पर्यावरणीय प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाली आम बीमारियां इस प्रकार हैं हैजा, गैस्ट्रो-एन्टरिटीज, टाइफाइड, पीलिया साल्मोनेलोसिस वैसीलरी डायसेन्ट्री मैनिंगाइटिस, अस्थमा,

तपेदिक, सिलिकोसिस, फेफडे का कैंसर, दात और मसूडो की बीमारिया, फ्लरोसिस, यकृत और गुरदे की बीमारियां, आंख/त्वचा मे जलन, सुनने की समस्याएं, स्नायु तत्र प्रणाली की समस्याएं आदि ।

केन्द्रीय और राज्य प्रदूषण नियत्रण बोर्डों और अन्य विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा इस सबध मे लोगो को शिक्षित करने के लिए समय-समय पर जन-जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं ।

सामाजिक वानिकी के लिए धनराशि

821. डा. अबरार अहमद : क्या पर्यावरण और वन मत्री यह बताने की की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत 7 वर्षो के दौरान केन्द्रीय सरकार द्वारा सामाजिक वनिक ण के लिये किन-किन राज्यो को कितनी-कितनी धनराशि प्रदान की गयी है तथा, राज्यवार भूमि के कितने क्षेत्र मे वनरोपण का कार्य किया गया है ;

(ख) विगत 7 वर्षों के दौरान राजस्थान मे सामाजिक वानिकी पर केन्द्रीय तथा राज्य सरकार द्वा । कितनी कितनी धनराशि खर्च की गयी है तथा सवाई माधोपुर मे इसी कार्य पर कितनी धन राशि खर्च की गयी है और भूमि के कितने क्षेत्र पर वनरोपण का कार्य किया गया है; और

(ग) क्या राजस्थान तथा सवाई माधोपुर जिले में सामाजिक वानिकी के कार्य पर खर्च किये गये धन के लेखे की लेखापरीक्षा करवायी गई है तथा उस वन का वस्तुगत सत्यापन किया गया है, यदि हा, तो लेखापरीक्षा मे क्या-क्या त्रुटिया पायी गयी तथा इसका ब्यौरा क्या है और उन त्रुटियो के लिये कौन जिम्मेदार हैं।

पर्यावरण और वन मत्रालय की राज्य मत्री (श्रीमती मेनका गांधी) : (क) 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत वनीक ण/वृक्षारोपण कार्यकलापो पर खर्च की गयी राज्यवार धनराशि जिसमे 7वी पचवर्षीय योजना अवधि, (1985-86--1989-90) के लिये केन्द्र सरकार द्वारा दी गयी धनराशि भी शामिल है, तथा वर्ष 1990-91 के दौरान किया गया आवटन सलग्न विवरण मे दिये गये है। वर्ष 1991-92 के लिये आवटनो को अभी निर्धारित किया जाना है। 7वी पचवर्षीय योजना अवधि की उपलब्धिया तथा वर्ष 1990-91 के लक्ष्य सलग्न विवरण II मे दिये गये है (नीचे देखिए) । आवटनो की अतिम रूप दिये जाने के पश्चात् ही वर्ष 1991-92 के लिये लक्ष्यो को निर्धारित किया जायेगा।

(क) और (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के सभा पटल पर प्रस्तुत की जायेगी।

विवरण-I

20 सूत्री कार्यक्रम के अर्न्तगत 1985-86 से वनीकरण/वृक्षारोपण कार्यकलापों के लिये धनराशि का राज्यवार उपयोग

(लाख रुपए)

क्रम स.	राज्य/सं. शा. प्रदेश	7 वीं पंचवर्षीय योजना	1990-91*
1	2	3	4
1.	आन्ध्र प्रदेश	14324.63	2167.16
2.	अरुणाचल प्रदेश	1879.41	518.13
3.	असम	8031.08	1848.77